Rajasthan Patrika

राजस्थान पत्रिका

EDITION	DATE	PAGE NO
Jaipur	02-Sep-2017	17

हुसैन को पुरस्कार

नई दिल्ली. नीति आयोग ने यूनाइटेड नेशंस इन इंडिया और मायगोव के साथ मिलकर सफीना हुसैन को 'वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' पुरस्कार से सम्मानित किया। हुसैन एजूकेट गर्ल्स की संस्थापक है। एजूकेट गर्ल्स एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो भारत की शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से जमीनी स्तर पर लैंगिक असमानता को दूर करता है।

Samachar Jagat

समाचार जगत

EDITION	DATE	PAGE NO
Jaipur	02-Sep-2017	09

सफीना को मिला 'वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' पुरस्कार

नई दिल्ली। नीति आयोग ने यूनाइटेड नेशंस इन इंडिया और माई जीओवी. के साथ मिलकर सफीना हुसैन को 'वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' पुरस्कार से सम्मानित किया। हुसैन एजूकेट गर्ल्स की संस्थापक है। एजूकेट गर्ल्स एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो भारत की शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से जमीनी स्तर पर लैंगिक असमानता को दूर करता है। इस वर्ष कुल छः व्यक्तियों को यह पुरस्कार दिया गया है, जिनमें सफीना हुसैन भी शामिल हैं। पुरस्कृत व्यक्तियों को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कपड़ा मंत्री, स्मृति ईरानी उपस्थित थीं।

उनके अतिरिक्त नीति आयोग के वाइस चेयरमैन डॉ. अरविन्द पनगरिया, नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कान्त, भारत में यूएन रेजिडेंट काऑर्डिनेटर एवं यूएनडीपी रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव यूरी अफानासिएव तथा भारतीय वायु सेना की विंग कमांडर पूजा ठाकुर जैसे अन्य गणमान्य लोगों ने भी अपनी उपस्थिति के साथ इन प्रेरणादायक परिवर्तनकारी व्यक्तियों के प्रयासों एवं उपलब्धियों को सलाम किया।

Dainik Navjyoti

दैनिक नवज्योति

EDITION	DATE	PAGE NO
Jaipur	02-Sep-2017	13

हुसैन को वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया पुरस्कार

एजेंसी/नवज्योति, नई दिल्ली

नीति आयोग ने यूनाइटेड नेशंस इन इंडिया और माई जीओवी के साथ मिलकर सफीना हुसैन को 'वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' पुरस्कार से सम्मानित किया। हुसैन एजूकेट गर्ल्स की संस्थापक है। एजुकेट गर्ल्स एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो भारत की शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से जमीनी स्तर पर लैंगिक असमानता को दूर करता है। इस वर्ष कुल छह व्यक्तियों को यह पुरस्कार दिया गया है, जिनमें सफीना हुसैन भी शामिल हैं। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कपड़ा मंत्री, श्रीमति स्मृति ईरानी उपस्थित थीं।

Daily News

डेली न्यूज़

EDITION	DATE	PAGE NO
Jaipur	02-Sep-2017	09

सफीना हुसैन को 'वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' पुरस्कार

डेली न्यूज, नई दिल्ली। नीति आयोग ने यूनाइटेड नेशंस इन इंडिया और मायगोव के साथ मिलकर सफीना हुसैन को 'वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' पुरस्कार से सम्मानित किया। हुसैन एजूकेट गर्ल्स की संस्थापक है। एजूकेट गर्ल्स एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो भारत की शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से जमीनी स्तर पर लैंगिक असमानता को दूर करता है। इस वर्ष कुल छह व्यक्तियों को यह पुरस्कार दिया गया है, जिनमें सफीना हुसैन भी शामिल हैं। पुरस्कृत व्यक्तियों को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी, नीति आयोग के वाइस चेयरमैन डॉ. अरविन्द पनगड़िया, नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कान्त, भारत में यूएन रेजिडेंट काऑर्डिनेटर एवं यूएनडीपी रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव यूरी अफानासिएव तथा भारतीय वायु सेना की विंग कमांडर पूजा ठाकुर उपस्थित थी।

Dainik Bhor

दैनिक भोर

EDITION	DATE	PAGE NO
Jaipur	02-Sep-2017	02

सफीना हुसैन को मिला वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया पुरस्कार

नई दिल्ली, 1 सितम्बर(एजेन्सी)। नीति आयोग ने यूनाइटेड नेशंस इन इंडिया और MyGov के साथ मिलकर सुश्री सफीना हुसैन को 'वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' पुरस्कार से सम्मानित किया। सुश्री हुसैन एजूकेट गर्ल्स की संस्थापक है। एजूकेट गर्ल्स एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो भारत की शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से जमीनी स्तर पर लैंगिक असमानता को दूर करता है। इस वर्ष कुल छः व्यक्तियों को यह पुरस्कार दिया गया है, जिनमें सुश्री सफीना हुसैन भी शामिल हैं। पुरस्कृत व्यक्तियों को नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कपड़ा मंत्री, स्मृति ईरानी उपस्थित थीं। एजूकेट गर्ल्स के माध्यम से सुश्री सफीना हुसैन के काम सरकार के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान सहित अनेक बुनियादी पहलों से मेल खाते हैं।

सुश्री हुसैन को मिला यह पुरस्कार इस तथ्य का प्रमाण है कि शिक्षा एवं सामुदायिक गोलबंदी के सहारे लड़कियों एवं महिलाओं के प्रति भेदभाव तथा हिंसा का नए ढंग से समाधान करना संभव है। इस अवसर पर सुश्री हुसैन ने कहा कि इक्वाडोर, मेक्सिको, बोलिविया और दक्षिण अफ्रीका में विकास परियोजनाओं पर 10 साल काम करने के बाद, मैं अपने दिल के बेहद करीब मौजूद एजेंडा यानी लड़कियों की शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए भारत लौटी। शुरूआत से ही मैंने अपनी मजबूत निजी प्रेरणा से भारत के शिक्षा तंत्र को बदलने की ठानी थी, क्योंकि मैंने भी शिक्षा के जरिये ही अपना रास्ता खोजा है। पूरे भारत में, लिंग भेदभाव अभी भी एक उगेखनीय चुनौती बनी हुई है। देश की लगभग 2.9 मिलियन लड़कियां स्कूल नहीं जाती और शिक्षा दोनों लिंगों में समानता पैदा करने का सबसे बुनियादी तरीका है।

Evening Post

ईवनिंग पोस्ट

EDITION	DATE	PAGE NO
Jaipur	02-Sep-2017	07

एजूकेट गर्ल्स की संस्थापक, सफीना हुसैन को 'वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' पुरस्कार

नई दिल्ली। नीति आयोग ने यूनाइटेड नेशंस इन इंडिया और माईगो1 के साथ मिलकर सफीना हुसैन को 'वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' पुरस्कार से सम्मानित किया। हुसैन एजूकेट गर्ल्स की संस्थापक है। एजूकेट गर्ल्स एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो भारत की शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से जमीनी स्तर पर लैंगिक असमानता को दूर करता है।

इस वर्ष कुल छः व्यक्तियों को यह पुरस्कार दिया गया है, जिनमें सफीना हुसैन भी शामिल हैं। पुरस्कृत व्यक्तियों को नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर माननीया कपड़ा मंत्री, स्मृति ईरानी उपस्थित थीं। उनके अतिरिक्त नीति आयोग के वाइस चेयरमैन डॉ. अरविन्द पनगरिया, नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कान्त, भारत में यूएन रेजिडेंट काऑर्डिनेटर एवं यूएनडीपी रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव यूरी अफानासिएव, तथा भारतीय वायु सेना की विंग कमांडर सुश्री पूजा ठाकुर जैसे अन्य गणमान्य लोगों ने भी अपनी उपस्थिति के साथ इन प्रेरणादायक परिवर्तनकारी व्यक्तियों के प्रयासों एवं उपलब्धियों को सलाम किया।

एजूकेट गर्ल्स के माध्यम से सफीना हुसैन के काम सरकार के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान सहित अनेक बुनियादी पहलों से मेल खाते हैं। सुश्री हुसैन को मिला यह पुरस्कार इस तथ्य का प्रमाण है कि शिक्षा एवं सामुदायिक गोलबंदी के सहारे लड़कियों एवं महिलाओं के प्रति भेदभाव तथा हिंसा का नए ढंग से समाधान करना संभव है।

इस अवसर पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए, सुश्री हुसैन ने कहा कि, "इक्वाडोर, मेक्सिको, बोलिविया और दक्षिण अफ्रीका में विकास परियोजनाओं पर 10 साल काम करने के बाद, मैं अपने दिल के बेहद करीब मौजूद एजेंडा यानी लड़कियों की शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए भारत लौटी। शुरूआत से ही मैंने अपनी मजबूत निजी प्रेरणा से भारत के शिक्षा तंत्र को बदलने की ठानी थी, क्योंकि मैंने भी शिक्षा के जरिये ही अपना रास्ता खोजा है। पूरे भारत में, लिंग भेदभाव अभी भी एक उल्लेखनीय चुनौती बनी हुई है। देश की लगभग 2.9 मिलियन लड़कियां स्कूल नहीं जाती और शिक्षा दोनों लिंगों में समानता पैदा करने का सबसे बुनियादी तरीका है।"

Khabaro ki Duniya

खबरों की दुनिया

Email: khabronkidunia@gmail.com

EDITION	DATE	PAGE, NO
Jaipur	02-Sep-2017	05

एजूकेट गर्ल्स की सफीना हुसैन को 'वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग ने यूनाइटेड नेशंस इन इंडिया और MyGov के साथ मिलकर सुश्री सफीना हुसैन को 'वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' पुरस्कार से सम्मानित किया। सुश्री हुसैन एजूकेट गर्ल्स की संस्थापक है। एजूकेट गर्ल्स एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो भारत की शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से जमीनी स्तर पर लैंगिक असमानता को दूर करता है।

इस वर्ष कुल छः व्यक्तियों को यह पुरस्कार दिया गया है, जिनमें सुश्री सफीना हुसैन भी शामिल हैं। पुरस्कृत व्यक्तियों को नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी उपस्थित थीं। उनके अतिरिक्त नीति आयोग के वाइस चेयरमैन डॉ. अरविन्द पनगरिया, नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कान्त, भारत में यूएन रेजिडेंट काओर्डिनेटर एवं यूएनडीपी रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव श्री यूरी अफानासिएव तथा भारतीय वायु सेना की विंग कमांडर पूजा ठाकुर जैसे अन्य गणमान्य लोगों ने भी अपनी उपस्थिति के साथ इन प्रेरणादायक परिवर्तनकारी व्यक्तियों के प्रयासों एवं उपलब्धियों को सलाम किया।

एजूकेट गर्ल्स के माध्यम से सफीना हुसैन के काम सरकार के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान सहित अनेक बुनियादी पहलों से मेल खाते हैं। हुसैन को मिला यह पुरस्कार इस तथ्य का प्रमाण है कि शिक्षा एवं सामुदायिक गोलबंदी के सहारे लड़कियों एवं महिलाओं के प्रति भेदभाव तथा हिंसा का नए ढंग से समाधान करना संभव है।

इस अवसर पर हुसैन ने कहा कि, 'इक्वाडोर, मेक्सिको, बोलिविया और दक्षिण अफ्रीका में विकास परियोजनाओं पर 10 साल काम करने के बाद, मैं अपने दिल के बेहद करीब मौजूद एजेंडा यानी लड़कियों की शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए भारत लौटी। शुरूआत से ही मैंने अपनी मजबूत निजी प्रेरणा से भारत के शिक्षा तंत्र को बदलने की ठानी थी, क्योंकि मैंने भी शिक्षा के जरिये ही अपना रास्ता खोजा है। पूरे भारत में, लिंग भेदभाव अभी भी एक उल्लेखनीय चुनौती बनी हुई है। देश की लगभग 2.9 मिलियन लड़कियां स्कूल नहीं जाती और शिक्षा दोनों लिंगों में समानता पैदा करने का सबसे बुनियादी तरीका है।

Vir Arjun

वीर अर्जुन

EDITION	DATE	PAGE NO
Jaipur	03-Sep-2017	08

एजूकेट गर्ल्स की संस्थापक, सफीना हुसैन को 'वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' पुरस्कार

वीर अर्जुन संवाददाता

नीति आयोग ने यूनाइटेड नेशंस इन इंडिया और स्वतश्1 के साथ मिलकर सुश्री सफीना हुसैन को 'वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' पुरस्कार से सम्मानित किया। सुश्री हुसैन एजूकेट गर्ल्स की संस्थापक हैं। एजूकेट गर्ल्स एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो भारत की शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से जमीनी स्तर पर लैंगिक असमानता को दूर करता है। इस वर्ष कुल छः व्यक्तियों को यह पुरस्कार दिया गया है, जिनमें सुश्री सफीना हुसैन भी शामिल हैं। पुरस्कृत व्यक्तियों को नई दिगी में आयोजित एक भव्य समारोह में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर माननीया कपड़ा मंत्री, श्रीमति स्मृति ईरानी उपस्थित थीं। उनके अतिरिक्त नीति आयोग के वाइस चेयरमैन डॉ. अरविन्द पनगरिया, नीति आयोग के सीईओ श्री अमिताभ कान्त, भारत में यूएन रेजिडेंट काऑर्डिनेटर एवं यूएनडीपी रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव श्री यूरी अफनासिएव, तथा भारतीय वायु सेना की विंग कमांडर सुश्री पूजा ठाकुर जैसे अन्य गणमान्य लोगों ने भी अपनी उपस्थिति के साथ इन प्रेरणादायक परिवर्तनकारी व्यक्तियों के प्रयासों एवं उपलब्धियों को प्रणाम किया। एजूकेट गर्ल्स के माध्यम से सुश्री सफीना हुसैन के काम सरकार के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान सहित अनेक बुनियादी पहलों से मेल खाते हैं। सुश्री हुसैन को मिला यह पुरस्कार इस तथ्य का प्रमाण है कि शिक्षा एवं सामुदायिक गोलबंदी के सहारे लड़कियों एवं महिलाओं के प्रति भेदभाव तथा हिंसा का नए ढंग से समाधान करना संभव है।

NITI Aayog bestowed Educate Girls' founder, Safeena Husain with 'Women Transforming India' award

VOJ PRESS NEWS

Jaipur, 01 September, 2017: NITI Aayog, in partnership with the United Nations in India and MyGov, presented Ms. Safeena Husain with the 'Women Transforming India' award. Ms. Husain is the founder of Educate Girls, a non-profit organization that tackles gender inequality at the grass root level through India's education system. The award in its true sense celebrates women achievers, leaders and change makers from across the country.